ओ३म

आर्य समाज मंदिर

11204–5, डोरीवालान, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–5

आर्यसमाज डोरीवालान न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली का चतुर्वेद शतकम् यज्ञ 12 नवम्बर 2014 को सम्पन्न हुआ। चार दिन तक चलने वाले इस यज्ञ के ब्रह्मा यशस्वी धर्माचार्य श्री विश्वमित्र मेधावी (गुरुजी) के सानिध्य में संचालन पूर्ण हुआ। इस यज्ञ में लगभग 28 यजमानों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर आचार्य मेधावी जी का विशेष प्रवचन प्रतिदिन चला। उन्होंने अपने उपदेश में सभी धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में जो समाज में गिरावट आई है एवं उसको हम किस ढंग से ठीक कर सकते हैं, इसकी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि परमात्मा एक है इससे भिन्न कोई भी दूसरा तीसरा या चौथा नहीं हैं, उसी की उपस्ना करनी चाहिऐ। वही परमात्मा सच्चिदानन्द सर्वव्यापक एकरस है, उसकी उपसना करने से ही मनुष्य मुक्तिधाम को प्राप्त कर सकता है।

चार दिन तक चले इस चतुर्वेद शतकम यज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर आर्यसमाज डोरीवालान के पूर्व प्रधान आदणीय श्री ओम प्रकाश नरूला जी अपने जीवन के 93 वर्ष पूर्ण करने एवं 94 वर्ष में प्रवेश करने पर कार्यक्रम में आए। समस्त आर्य बन्धु–भगिनियों ने बड़े उत्साह के साथ नरूला जी का जन्मदिन मनाया। सभी ने परमपिता परमात्मा से उनकी लम्बी आयु की कामना की। इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने भी टेलीफोन कर श्री नरूला जी को उनके जन्म दिन की बधाई दी। इस अवसर पर आर्यसमाज करोलबाग के यशस्वी प्रधान श्री कीर्ति शर्मा जी एवं समाज के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आर्यसमाज माडलबस्ती के प्रधान श्री गोगिया जी एवं समस्त पदाधिकारी सपरिवार इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं उन्होंने श्री नरूला जी को उनके जन्मदिन की बधाई दी।

इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री श्री सुरेन्द्रपाल रातावाल जी, पूर्व उपमहापौर श्रीमती पूर्णिमा विद्यार्थी जी, करोलबाग से क विधायक श्री विशेष रवि जी, पूर्व निगम पार्षद करोलबागश्री हर्षवर्धन शर्मा जी, सुप्रसिद्ध होमियोपैथिक डाक्टर श्री अविनाश गुप्ता जी, डोरीवालान आर.डब्ल्यु.ए. के अध्यक्ष श्री कालू चड्ढा जी एवं अन्य सामाजिक संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए आर्यसमाज डोरीवाला के यशस्वी, जुझारु, कर्मठ एवं लोकप्रिय प्रधान श्री वागीश ईसर जी ने कार्यक्रम मे आये सभी यजमानों का हार्दिक धन्यवाद किया एवं सभी यजमानों को आर्यसमाज की सदस्यता ग्रहण करने का आग्रह किया। उन्होंने भारी संख्या में इस क्षेत्र के विभिन्न संगठनों से आए बन्धुओं एवं भगिनियों का धन्यवाद किया।

आर्यसमाज प्रधान श्री वागीश ईसर ने बताया कि अब आर्यसमाज डोरीवाला के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए ऊपर के तल में निशुल्क संस्कृत बोलना, किस प्रकार संस्कृत को सरल ढंग से बोलना सिखाया जा सके इसके लिये टीचर ट्रेनिंग एवं छोटे बच्चों के लिए अलग से केसेटस इत्यादि तैयार करना, इसके अलावा आर्थिक दृष्टि से कमजोर बच्चों को कम्पयूटर की ट्रेनिंग देना एवं उनके रोजगार के समाधान के प्रकल्प किये जा रहे हैं।

प्रधान जी ने आर्यसमाज के कमर्ठ मंत्री श्री वेदपाल शास्त्री जी का विशेषकर धन्यवाद किया एवं आर्यसमाज के पूर्व मंत्री श्री धर्मवीर रावत जी जो नोएडा से चारों दिन यज्ञ में आए उनका भी धन्यवाद किया। इसके अलावा प्रधान जी ने आर्यसमाज के कोषाध्यक्ष श्री दिनेश मल्होत्रा जी, श्री विरेन्द्र कपूर जी, श्री आनन्द सिंघल जी, श्री बलदेव मदान जी, श्रीमती ममता नरुला जी, श्रीमती सुमन शर्मा जी, श्रीमती ब्रजेश रावत जी, श्रीमती मधु सिंघल जी, श्रीमती सत्या देवी जी तथा कार्यक्रम में आए सभी भाइयों बहनों का हृदय से धन्यवाद किया।